न्यूज डायरी

कलेजे को छलनी करता था नस्ली भेदभावः ऋषि सुनक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। ब्रिटेन के वित्त मंत्री ऋषि सुनक ने रविवार को कहा कि ब्रिटेन में एक बच्चे के तौर पर उन्हें भी नस्लवाद का सामना करना पड़ा लेकिन देश ने इस दिशा में तबसे अब तक काफी प्रगति कर ली है। ब्रिटेन में पैदा हुए भारतीय मूल के सुनक ने खुलासा किया कि यह भेदभाव तब कहीं ज्यादा महसूस होता था जब यह उनके छोटे भाई–बहनों के सामने होता था। सुनक से लंदन में सप्ताहांत हुए नस्लवाद विरोधी प्रदर्शनों के बारे में टिप्पणी करने को कहा गया था। नस्ली भेदभाव के बारे में अपने अनुभव को लेकर पूछे जाने पर उन्होंने स्काई न्यूज से कहा, श्यह उस तरह की चीज है जो अपने आप हो रही है, यह काफी मुश्किल है लेकिन जब मेरे साथ मेरे छोटे भाई या बहन होते थे तब यह खास तौर पर मन खराब करने वाला होता था। ब्रिताती वित्त मंत्री ने कहा, वे भले ही सिर्फ शब्द थे, लेकिन वे इस तरह चुभते थे जैसे कोई दूसरी चीज नहीं चुभती। इसके (नस्ली भेदभाव) बारे में कुछ है जो आपके कलेजे को छलनी कर देता है।

कोरोना वायरस पर फ्रांस ने दर्ज की पहली जीत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेरिस। कोरोना वायरस लॉकडाउन के बाद फ्रांस अब खुलने को तैयार है। राष्ट्रपति इमैन्युअल मैक्रों ने कोरोना वायरस के खिलाफ श्पहली जीतश का ऐलान कर दिया है और इसके साथ ही सोमवार से बिजनस खुलने लगेंगे। मैक्रों ने रविवार रात एक टीवी संदेश में काफी एक्साइटमेंट के साथ ऐलान किया कि सभी बार, रेस्तरां और कैफे से प्रतिबंध हटा दिए जाएंगे। एक हफ्ते के अंदर स्कूल, कॉलेज और नर्सरी में बच्चे भी लौटने लगेंगे। मैक्रों ने अपने संदेश में कहा, कल से हम इस आपदा के पहले ऐक्ट का पन्ना पलट सकेंगे। कल से मयोटी और गुयाना को छोड़कर बाकी सभी जगहों को ग्रीन जोन कहा जा सकेगा। मैक्रों ने ऐलान किया कि पैरिस में सभी कैफे और रेस्तरां खुल सकेंगे। देश में अभी सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना होगा और पब्लिक ट्रांसपोर्ट पर मास्क जरूरी होगा। राष्ट्रपति ने ऐलान किया कि सोमवार से यूरोपियन देशों के बीच ट्रैवल की इजाजत भी होगी। इसके बाद 1 जुलाई से यूरोप के बाहर ऐसी जगहों पर जाने की इजाजत होगी जहां महामारी पर काबू पा लिया गया हो।

इटली के इस कोरोना वायरस फ्री गांव में एक पाउंड में मिल रहा घर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) रोम। अगर आप इटली की खूबसूरती पर फिदा हैं और कोरोना वायरस से दूर रहना चाहते हैं तो आपके लिए बढ़िया मौका है। इटली के एक क्रोरोना वायरस फ्री गांव में मात्र एक पाउंड में घर मिल रहा है। इस गांव का नाम है सिंक्यूफोंडी है और यह इटली के दक्षिणी इलाके कलाब्रिया में स्थित है। कोरोना वायरस के गढ़ रहे इटली के कई इलाकों में बेहद कम दाम में घर मिल रहे हैं। इटली के नेता गांवों में लोगों की आबादी को बढ़ाने के लिए बेहद सस्ते दर पर प्रॉपर्टी मुहैया करा रहे हैं ताकि लोगों को ग्रामीण इलाके में रहने के लिए प्रेरित किया जा सके। मेयर मिशेला कोनिया ने कहा कि सबसे अच्छी बात यह है कि इस गांव में कोरोना वायरस का एक भी मामला सामना नहीं आया है।

कोरोना संक्रमित मरीज को अस्पताल ने थमाया 8.14 करोड़ रुपये का बिल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका में कोरोना वायरस से संक्रमित एक मरीज को अस्पताल ने 11 लाख डॉलर का बिल थमाया है। मरीज की कोविड–19 के कारण हालत काफी खराब हो गयी थी। मीडिया में आई खबर के मुताबिक माइकल फ्लोर बीमारी की वजह से इतने कमजोर हो गए थे कि उनकी पत्नी और बच्चे भी उनके ठीक होने की उम्मीद छोड़ चुके थे। सिएटल टाइम्स की खबर के मुताबिक फ्लोर हालांकि ईशाक स्थित स्वीडिश मेडिकल सेंटर में इलाज के बाद ठीक हो गए हैं। उन्होंने बताया कि उनके इलाज के एवज में 11 लाख डॉलर का बिल दिया गया है। उल्लेखनीय है कि फ्लोर ने स्वीडिश मेडिकल सेंटर में 62 दिनों तक कोरोना वायरस से लड़ाई लड़ी और अस्पताल में सबसे लंबे समय तक इलाज कराने वाले मरीज हैं।

परमाणु हथियारों का जखीरा बढ़ा रहा है ड्रैगन

चुनौती

चीन और पाकिस्तान की दोहरी चुनौती से निपटने के लिए भारत ने भी कमर कसी

■जमीन, हवा और समुद्र से दागे जाने वाले परमाणु बना रहा है

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

स्टॉकहोम। दुनिया में सुपर पावर बनने की महत्वाकांक्षा रखने वाला चीनी ड्रैगन अब बहुत तेजी से अपने परमाणु हथियारों का जखीरा बढ़ा रहा है। आलम यह है कि चीन अब पहली बार जमीन, हवा और समुद्र से दागे जाने वाले परमाणु हथियारों को बना रहा है। उधर, चीन और पाकिस्तान की दोहरी चुनौती से निपटने के लिए भारत ने भी कमर कस ली है और परमाणु हथियारों की संख्या बढ़ा रहा है।

परमाणु हथियारों पर नजर रखने वाली अंतरराष्ट्रीय संस्था सिप्री की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत और चीन दोनों ने ही पिछले साल अपने परमाणु हथियारों के जखीरे में इजाफा किया है। हालांकि भारत के परमाणु हथियार चीन के आधे से भी कम हैं। सिप्री की रिपोर्ट के मुताबिक भारत के पास 150 और चीन के पास 320 परमाणु हथियार हैं। चीन ने पिछले एक साल में 30 परमाणु हथियार बढ़ाए हैं, वहीं भारत ने 10 एटम बम।

पाकिस्तान के पास कुल 160 परमाणु हथियार

उधर, पाकिस्तान अभी भी परमाणु हथियारों के मामले में भारत से थोड़ा आगे है। पाकिस्तान के पास कुल 160 परमाणु हथियार हैं। भारत के मुकाबले भले ही पाकिस्तान के परमाणु हथियार ज्यादा हों लेकिन भारतीय अधिकारी अभी भी अपनी परमाणु प्रतिरोधक क्षमता को लेकर आश्वस्त हैं। सिप्री की यह रिपोर्ट ऐसे समय पर आई है जब भारत और चीन के बीच तनाव अपने चरम पर है और लद्दाख में दोनों ही देशों की सेनाएं आमने सामने हैं।

अमेरिका और रूस के चलते दुनियाभर में घटे परमाणु हथियारः एक तरफ परमाणु हथियारों से संपन्न तीनों एशियाई देश परमाणु हथियारों की संख्या बढ़ा रहे हैं, वहीं दुनिया में कुल परमाणु हथियारों की संख्या में गिरावट आई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐसा इस वजह से है कि दुनिया के 90 प्रतिशत परमाणु हथियार रखने वाले अमेरिका और रूस अपने परमाणु हथियारों को नष्ट कर रहे हैं। दुनिया के कुल 9 परमाणु हथियार संपन्न राष्ट्रों अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन, भारत, पाकिस्तान, इजरायल, उत्तर कोरिया के पास कुल 13,400 परमाणु हथियार हैं। परमाणु हथियारों की संख्या पिछले साल 13,865 थी।

चीन लगातार कर रहा है परमाणु हथियारों का प्रदर्शनः सिप्री ने कहा कि चीन अब अपने परमाणु हथियारों का सार्वजनिक तौर पर और ज्यादा प्रदर्शन कर रहा है। हालांकि चीन अपने परमाणु हथियारों के विकास के बारे में बहुत कम जानकारी साझा करता है। चीन बहुत तेजी से अपने परमाणु हथियारों के जखीरे को आधुनिक बना रहा है और संख्या बढ़ा रहा है। चीन पहली अपनी न्यूक्लियर ट्रायड की क्षमता को बढ़ा रहा है ताकि जमीन, हवा और समुद्र से परमाणु हथियारों को दागा जा सके। चीन ने नई जमीन और समुद्र से दागी जाने वाली मिसाइलें बनाई हैं और परमाणु हथियार ले जाने वाला एयरक्राफ्ट बनाया है।

पाकिस्तान में कोविड–19 के 5000 से अधिक नए मामले

कुल संख्या 1,40,000 के पार पहुंची

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान में कोविड–19 के 5,248 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमण के मामले बढ़कर 1,44,676 हो गए, वहीं देश में 97 और लोगों की मौत के बाद वायरस से मरने वालों की संख्या 2,729 हो गई।राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि पिछले 24 घंटे में 29,085 लोगों की जांच की गई। देश में अभी तक 8,97,650 लोगों की जांच की गई है।मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार पंजाब में 54,138 रोगी, सिंध में 53,805, खैबर पख्तूनख्वा में 18,013, बलूचिस्तान में 8,177, इस्लामाबाद में 8,569, गिलगित बाल्तिस्तान में 1,129 और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में संक्रमण के 647 मामले सामने आए हैं।मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटे में 97 संक्रमित लोगों की जान चली गई , जिससे देश में मरने वालों की संख्या 2,729 हो गई।

वहीं 53,721 लोग अभी तक ठीक हो चुके हैं।योजना आयोग के मंत्री असद उमर ने रविवार को आगाह किया था कि जुलाई अंत तक मामले 12 लाख तक पहुंच सकते हैं। अमेरिका के जॉन्स हॉपकिन्स कोरोना वायरस रिसोर्स सेंटर के अनुसार दुनिया भर में इससे 79,00,000 से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं और 4,30,000 से अधिक लोगों की इससे जान गई है।

दिल की तरह से धड़क रहा है ब्लैक होल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अमेरिका। अनंत आकाश अपने अंदर तमाम रहस्य समेटे हुए है। एक ऐसा ही रहस्य जुड़ा हुआ है ब्लैक होल से। अंतरिक्ष की अंजान दुनिया में मौजूद इस विशाल ब्लैक होल का दिल लगातार धड़क रहा है। वर्ष 2007 में पहली बार इस ब्लैक होल की पहचान हुई थी। उस समय इस ब्लैक होल के अंदर मौजूद एक अनोखी विशेषता ने सभी का ध्यान अपनी ओर ध्यान आकर्षित किया था। दरअसल, जिस तरह से दिल धड़कता है, कुछ उसी तरह से इस ब्लैक होल से नियमित अंतराल पर ऊर्जा की तरंगे निकल रही हैं। वर्ष 2011 तक लगातार इन ऊर्जा तरंगों को वैज्ञानिकों ने महसूस किया। इसके बाद परिस्थितियां बिगड़ती चली गईं।

पोलैंड ने गलती से कब्जा कर ली पड़ोसी देश चेक गणराज्य की जमीन

रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि यह गलतफहमी की वजह से हुआ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वार्सा। पोलैंड ने स्वीकार किया है कि पिछले महीने उसने गलती से कुछ दिनों के लिए चेक गणराज्य की जमीन पर कब्जा कर लिया था। पोलैंड के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि यह गलतफहमी की वजह से हुआ।

बताया जा रहा है कि सीमा की निगरानी कर रहे पोलैंड के सैनिकों ने कोरोना वायरस को रोकने के लिए उठाए गए कदमों को देखते हुए चेक गणराज्य के एक चौपल पर कब्जा कर लिया था। वे कई दिनों तक चौपल के अंदर रहे।

यही नहीं पोलैंड के सैनिकों ने चेक गणराज्य से आने वाले लोगों को भी प्रवेश नहीं करने दिया था। इसके बाद चेक गणराज्य के अधिकारियों ने पोलैंड सरकार से संपर्क किया। यह घटना उत्तर–पूर्वी शहर मोराविया में हुई। पोलैंड के अधिकारियों ने इस घटना को गलती करार दिया है। उधर, चेक गणराज्य के विदेश मंत्रालय ने कहा कि उन्हें आधिकारिक रूप से अभी जवाब नहीं मिला है।

सबसे पहले इस घटना की खबर स्थानीय अखबार में छपी थी। उस समय चौपल की मरम्मत का काम देख रहे एक इंजधिनियर ने जब चौपल की तस्वीर लेनी चाही तो पोलैंड के सैनिकों ने उन्हें रोक दिया। पोलैंड के सैनिकों ने मशीन गन ले रखा था। उन्होंने चौपल तक जाने वाली सड़क पर अवरोधक लगा दध्यिा था। इसके बाद अखबार ने वहां फोटोग्राफर भेजकर घटना की पुष्टि की।

बताया जा रहा है कि यह चौपल चेक गणराज्य की सीमा के 30 मीटर अंदर है। इस इलाके में एक जलधारा सीमा का निर्धारण करती है। अखबार ने बताया कि पहले पोलैंड के सैनिकों ने जलधारा के पोलैंड वाले किनारे की तरफ अपनी पोजिशन ले रखी थी लेकिन बाद वे चेक गणराज्य की सीमा में घुस आए। यह अभी तक पता नहीं चल पाया है कि पोलैंड के सैनिक कितने दिनों तक वहां पर रहे।

शेर की हड्डियों से चीनी बनाते हैं दवा और शराब, फैल सकती है एक और महामारी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। चीन के वुहान शहर से फैले कोरोना वायरस के कहर से पूरी दुनिया बेहाल है और अब तक 435,177 हजार लोग इस महामारी से मारे जा चुके हैं। कोरोना से दुनियाभर में अर्थव्यवस्था तबाही की कगार पर पहुंच गई है और करोड़ों लोग बेरोजगार हो गए हैं। इस बीच विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि चीन में अवैध रूप से शिकार करके शेरों की हड्डियों से बनाई जाने वाली दवा, शराब और जूलरी से विश्वभर में एक और महामारी पैदा हो सकती है। डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण अफ्रीका से हैरान कर देने वाली रिपोर्ट सामने आई है। दक्षिण अफ्रीका के 333 फार्म में हजारों शेरों को पैदा किया जाता है। इन शेरों को या तो चारों तरफ से बाड़ से घिरे परिसर के अंदर शिकारी या तो शिकार कर देते हैं या हड्डियों के लिए उन्हें मार दिया जाता है। रिपोर्ट के मुताबिक शेरों की हड्डियों का करोड़ों रुपये का कारोबार होता है और यह बहुत तेजी से बढ़ता जा रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन और दक्षिण पूर्व एशिया के देशों में परंपरागत दवाओं को बनाने में इस्तेमाल की जाने वाली शेर की हड्डियों की मांग काफी बढ़ गई है।